

अमानवीयता पर मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

औरैया : डीसीएम-ट्रॉला हादसे के बाद शवों के साथ घायलों को डीसीएम से भेजने की जांच शुरू हो गई है। दैनिक जागरण के मामला उठाने के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस भेजकर चार सप्ताह में स्पष्टीकरण मांगा है। वहीं मुख्य सचिव ने डीएम को पत्र भेजकर रिपोर्ट मांगी तो अब जिम्मेदार अफसरों के बयान लिए जा रहे हैं। एडीएम कार्यालय में सोमवार को एआरटीओ, तहसीलदार व नायब तहसीलदार के बयान दर्ज किए गए। डीएम ने सीएमओ से भी स्पष्टीकरण मांगा है। (जासं)

अमानवीयता पर मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान, जांच

औरैया : डीसीएम-ट्रॉला हादसे के बाद शवों के साथ घायलों को डीसीएम से भेजने की जांच शुरू हो गई है। दैनिक जागरण के मामले उठाने के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस भेजकर चार सप्ताह में स्पष्टीकरण मांगा है। वहीं मुख्य सचिव ने डीएम को पत्र भेजकर रिपोर्ट मांगी तो अब जिम्मेदार अफसरों के बयान लिए जा रहे हैं। एडीएम कार्यालय में सोमवार को एआरटीओ, तहसीलदार व नायब तहसीलदार के बयान दर्ज किए गए। डीएम ने सीएमओ से भी स्पष्टीकरण मांगा है। (जासं)

मानवाधिकार आयोग ने अमानवीयता पर लिया संज्ञान, जांच तेज

औरैया हादसा

जासं, औरैया: डीसीएम-ट्रॉला हादसे के बाद शवों के साथ घायलों को डीसीएम से भेजने की जांच शुरू हो गई है। दैनिक जागरण के मामला उठाने के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस भेजकर चार सप्ताह में स्पष्टीकरण मांगा है। वहीं मुख्य सचिव ने डीएम को पत्र भेजकर रिपोर्ट मांगी तो अब जिम्मेदार अफसरों के बयान लिए जा रहे हैं। एडीएम कार्यालय में सोमवार को एआरटीओ, तहसीलदार व नायब तहसीलदार के बयान दर्ज किए गए। डीएम ने सीएमओ से भी स्पष्टीकरण मांगा है। 15 मई की रात औरैया शहर से छह किमी पहले मिहौली गांव में शिव जी ढाबा के सामने ट्रॉला व डीसीएम में भिड़ंत हो गई थी। इसमें 29 मजदूरों की जान चली गई थी। 26 लोगों की तो मौके पर ही मौत हो गई थी। उनके शव झारखंड और पश्चिम बंगाल भेजे गए। सबसे दुःखद पहलू ये था कि झारखंड के शवों के साथ ही घायल भी भेज दिए थे।